कृषि विज्ञान द्वारा डेयरी प्रबंधन पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा मत्स्य, पशु पालन एवं डेयरी मंत्रालय, भारत सरकार की परियोजना लाभकारी डेयरी फार्मिंग " के अंतर्गत "का क्षमता निर्माण और पशुधन प्रबंधन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से किसानों "डेयरी प्रबंधन विषय" पर दिनांक 02 मार्च 0 से 20224 मार्च 2022 तक तीन दिवसीय ऑन कैम्पस प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के आरंभ में डॉ. बी पी सिंह, अध्यक्ष, कृषि विज्ञान केंद्र ने अपने संबोधन में किसानों को बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में युवा गाय एवं भैंस के दूध का व्यापार कर स्वरोजगार प्राप्त कर सकते हैं और अच्छा मुनाफा भी कमा सकते हैं। उन्होंने बताया कि दूध की गुणवत्ता को बढ़ाकर किसान दूध से अच्छा लाभ प्राप्त कर सकते हैं। आगे डॉ शार्दूल विक्रम लाल, पशु विज्ञान विशेषज्ञ एवं कार्यक्रम समन्वयक ने तीन दिवसीय कार्यक्रम की रूपरेखा की जानकारी दी। तीन दिवसीय कार्यक्रम मे डॉ ए के एस तोमर बताया की देसी नस्ल की गाय के दूध से A2 मिल्क प्राप्त होता है जो कि स्वास्थ्य के लिए अच्छा है।

डॉ मुकेश सिंह ने किसानो को पशु के जरूरत के अनुसार कम खर्च में ही आवास बनाने की सलाह दी। डॉ. मानस कुमार पात्रा ने बताया कि भारतीय पशु चिकित्सा संस्थान द्वारा विकसित क्रिस्टोस्कोप (Crystoscope) का उपयोग कर किसान अपने पशु मे सही समय पर कृत्रिम गर्भधान करवा सकते हैं। डॉ नारायण दुत्त ने गाय-भैंसों को वजन और शारीरिक स्थिति के आधार पर संतुलित आहार प्रदान करने की सलाह दी। डॉ हरिओम पांडे ने किसानों को बताया कि गाय एवं भैस के बछड़ो के लिए खीस अमृत्तुल्य है और बछड़ों को यह जन्म उपरांत शीघ्र से शीघ्र पिलाया जाना चाहिए। डॉ. हीराराम ने बताया की पशु के सही विकास और उत्पादन हेतु डॉ. की सलाह से समय-समय कृमि नाशक दवा देना जरूरी है। डॉ उज्जवल कुमार डे ने रोग के नियंत्रण एवं रोकथाम के लिए पृथक्करण और टीकाकरण की जानकारी दी। श्री डीडी मिश्रा, जोनल मैनेजर, नाबार्ड ने डेयरी उद्यमिता विकास के लिए सरकार द्वारा चलाए जा रहे ऋण सुविधाओं की जानकारी साझा की। डॉ. हरेंद्र गुप्ता, संयुक्त निदेशक प्रसार शिक्षा, भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान की अध्यक्षता मे कार्यक्रम का समापन हुआ। डॉ. हरेंद्र गुप्ता ने भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान के द्वारा चलाए जा रहे किसान कल्याण कार्यक्रमों के बारे में जानकारी दी और किसानों को उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम के दौरान किसानों को

कृषि विज्ञान केंद्र की प्रदर्शनी इकाई का भी भ्रमण कराया गया और प्रशिक्षण पूर्व और प्रशिक्षण उपरांत मूल्यांकन किया गया। कार्यक्रम में कुल 40 (37 पुरुष और 03 महिलाओ) ने सहभागिता दर्ज की।